



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 407] नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 23, 1980/पौष 2, 1902
No. 407] NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 23, 1980/PAUSA 2, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

बाणिज्य मंत्रालय

(वस्त्र विभाग)

अभिसूचना

नई दिल्ली, 23 दिसम्बर, 1980

सा.का.नि. 711(अ) —केन्द्रीय सरकार, जूट कम्पनी (राष्ट्रीयकरण) अधि-
नियम, 1980 (1980 का 82) की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का
प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त अधिनियम की पहली अनुसूची में
विनिर्दिष्ट जूट कम्पनियों के उपक्रमों और उक्त कम्पनियों के उनके उपक्रमों के
सम्बन्ध में उनके अधिकार, हक और हित, जो उक्त अधिनियम की धारा 3 के

अधीन' केन्द्रीय सरकार में निहित हो गए हैं । केन्द्रीय सरकार में निहित बने रहने की बजाय, 21 दिसम्बर, 1980 से नेशनल जूट मैन्युफैक्चर्स कारपोरेशन लिमिटेड, में निहित हो जाएंगे ।

[फा. सं. 25/7/79-जूट]

एस. के. सरकार, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF COMMERCE

(Department of Textiles)

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd December, 1980

G.S.R. 711(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the Jute Companies (Nationalisation) Act, 1980 (62 of 1980), the Central Government hereby directs that the undertakings of the Jute companies specified in the First Schedule to the said Act, and the right, title and interest of the said companies in relation to their undertakings which have vested in the Central Government under section 3 of the said Act shall, instead of continuing to vest in the Central Government, vest in the National Jute Manufactures Corporation Limited with effect from the 21st December, 1980.

[File No. 25/7/79-Jute]

S. K. SARKAR, Jt. Secy.